



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

साधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 397] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 30, 1986/आश्विन 8, 1908
No. 397] NEW DELHI, TUESDAY, SEPT. 30, 1986/ASVINA 8, 1908

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
a separate compilation

क्षेत्रीय संकलन

(ग्रामीण विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1986

का. आ. 697(अ) :—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 258 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा इस विषय पर सभी पूर्व अधिसूचनाओं को, जहां तक उनका संबंध राजस्थान राज्य से है, अतिष्ठित करते हुए, राजस्थान सरकार की सहमति से, उस सरकार को, निम्नलिखित के अधीन, केन्द्रीय सरकार के कृत्य, अर्थात्:—

(1) भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का 1) के अर्जन कृत्य, सिवाय उन कृत्यों के जो उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (i) के परन्तुक के अर्जन केन्द्रिय सरकार द्वारा प्रयोज्य हैं, और

(2) राजस्थान राज्य में संघ के प्रयोजनों के लिए अर्जन के संबंध में, भूमि अर्जन (संपत्ती) नियम, 1963 के अधीन कृत्य निम्नलिखित शर्तों के अधीन सौंपते हैं, अर्थात् :—

- (क) राजस्थान सरकार, ऐसे कृत्यों को करने में, ऐसे साधारण और विशेष निवेदनों का अनुपालन करेगी जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर जारी करे; और
- (ख) कृत्यों के इस प्रकार सौंपे जाने पर भी, केन्द्रीय सरकार, यदि किसी मामले में ऐसा करना ठीक समझती है तो, उक्त कृत्यों में से किसी को स्वयं कर सकती है।

[ग. सं. 13011/24/85-एल आर बी]

जयदीप शर्मा जेतली, अतिरिक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Rural Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September, 1986

S.O. 697 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (I) of article 258 of the Constitution of India and of all other powers enabling him in this behalf and in supersession of all previous notifications on the subject in so far as they relate to the State of Rajasthan, the President, with the consent of the Government of Rajasthan, hereby entrusts to that Government, the functions of the Central Government under :—

- (i) the land Acquisition Act, 1894 (I of 1894) except the functions exercisable by the Central Government under the proviso to sub-section (I) of section 55 of the said Act; and
- (ii) the Land Acquisition (Companies) Rules, 1963, in relation to the acquisition of land for the purposes of the Union in the State of Rajasthan.

Subject to the following conditions namely :—

- (a) that in the exercise of such functions, the Government of Rajasthan shall comply with such general and

special directions as the Central Government may, from time to time, issue; and

- (b) that notwithstanding the entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[F. No. 13011/24/85-LRD]

J. C. JETLI, Addl. Secy.

